ढोल

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

28 मई को विश्व [ढोल]**दिवस** के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य **ढोल** (**लुप्तप्राय एशियाई जंगली कुत्तों)** के संरक्षण को बढ़ावा देना है, यह लुप्तप्राय प्रजाति वन पारिस्थितिकी तंत्र में शीर्ष परभक्षियों के रूप में संतुलन बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

- **ढोल: ढोल (?????? ?????????)** जंगली कुत्ते हैं जो **दक्षिणी और पूर्वी एशिया में मूल रूप से पाए जाते हैं, जिनमें भारत के पश्चिमी घाट (जैसे वलपराई पठार)** भी शामिल हैं।
- **विशेषताएँ:** ढोलों का **फर भूरा, पूँछ काली, अंबर आईज़ (भूरी आँख)** और **कान सीधे व गोल** होते हैं तथा ये 2 से 25 के समूह में रहते हैं।

- **आवास: जंगलों, झाड़ियों और ऊँचे पर्वतीय मैदान** में पाए जाते हैं।
  - भारत में ढोल तीन मुख्य क्षेत्रों में पाए जाते हैं, अर्थात् **पश्चिमी और पूर्वी घाट**, **मध्य भारतीय परिदृश्य एवं पूर्वोत्तर भारत।**
- **आहार और शिकार: ढोल मांसाहारी** होते हैं जो **3-5** के समूह में मिलकर शिकार करते हैं तथा **भौंकने, गुर्राने एवं विशिष्ट रूप से सीटी बजाकर संवाद करते हैं, जिसके कारण उन्हें "सीटी बजाने वाले कुत्ते (व्हिसलिंग डॉग्स)"** भी कहा जाता है।
  - ढोलों के **जबड़े में इतनी ताकत नहीं** होती कि वे अपने शिकार को **आसानी से काट सकें,** इसलिये ढोलों का झुंड शिकार को जीवित ही खा जाता है।
- **प्रजनन:** एक झुंड में आमतौर पर एक **प्रमुख एकलपत्नी प्रजनन (मनागमस ब्रीडिंग)** जोड़ा होता है, जबकि गैर-प्रजनन सदस्य **भोजन लाकर** और पिल्लों की देखभाल करके सहयोग करते हैं।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - [IUCN]: **लुप्तप्राय (Endangered)**
  - [वन्यजीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES):]**परिशिष्ट II**
  - [वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972] [Wildlife (Protection) Act] के तहत **अनुसूची II** में सूचीबद्ध।

और पढ़ें: [ढोल]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dholes-2